

Shri S. N. Das: May I know the extent of the contributions made to this fund by the various State Governments?

Shri K. D. Malaviya: Various States have contributed to the fund during the last 2 or 3 years.

In 1950-51 the contribution from the States was Rs. 16,000 and the Government of India's contribution was Rs. 25,000. In 1951-52 the States contributed Rs. 12,500 and the Government of India's contribution was Rs. 11,500. In 1952-53, the States' contribution was Rs. 17,000 and the Government of India's contribution was Rs. 18,600.

Shri Raghuramaiah: May I know what is the machinery contemplated by the Government for the purpose of spending the fund and for the purpose of getting the objects of Art?

Shri K. D. Malaviya: It is the Purchase Committee under the Government of India which considers all the proposals that come and make purchases.

Shri V. P. Nayar: May I know whether out of this fund any money has been spent for getting back our Peacock throne?

Shri K. D. Malaviya: As I said nothing has been spent so far from this fund. There is a separate Budget provision and from that provision purchases are made of objects of art.

डा० सुरेश चन्द्र : क्या इस फंड में से विदेशों में जो हिन्दुस्तानी कला की चीजे हैं उनको भी मंगाने का प्रयत्न किया जा रहा है और यदि किया गया है तो उसमें क्या सफलता मिली है ?

श्री के० डी० मालवीय : जी हां । विदेशों में जो हमारी कला की वस्तुयें हैं उन के खरीदने के प्रश्न के ऊपर सरकार गौर कर रही है ।

डा० सुरेश चन्द्र : यह मामला कब तक ज़रगौर रहेगा ?

श्री के० डी० मालवीय : इसमें कई दिक्कतें हैं । वह आसानी से नहीं हो सकता ।

श्री एस० सी० सामन्त : रिपोर्ट में यह दिया गया है कि स्केचेज़ और पेन्टिंग्स इकट्ठे किये गये हैं । क्या मैं जान सकता

हूँ कि यह सब चीजे कहाँ रखी गयी हैं नेशनल म्यूज़ियम में या नेशनल आर्ट गैलरी में ?

श्री के० डी० मालवीय : मैं ठीक से नहीं कह सकता पर कुछ तो नेशनल आर्ट गैलरी में रखे गये होंगे और कुछ म्यूज़ियम में ।

बुनियादी शिक्षा

*१०९३. श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या शिक्षा मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे :

(क) पंच वर्षीय योजना में सम्मिलित किया गया बुनियादी शिक्षा का कार्यक्रम ; तथा

(ख) इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार का विशेष कार्यक्रम ?

The Deputy Minister of Natural Resources and Scientific Research (Shri K. D. Malaviya): (a) Attention of the hon. Member is invited to the Chapter on Education in the final report of the Planning Commission.

(b) One of the schemes under the Five Year Educational Plan, is meant to work out the whole idea of Basic Education from the Primary to Post-Graduate (training) level; to develop suitable methods and techniques of work experimentally and, by associating with it a programme of Social Education, to study its total impact on the life of the local community.

Grants have also been given to the State Governments for the improvement of primary and basic schools.

The question of giving financial assistance to States for their programmes of the expansion of Basic Education is under consideration.

श्री एम० एल० द्विवेदी : क्या मैं पूछ सकता हूँ कि पंच वर्षीय योजना में वर्णित आधार के ऊपर सरकार ने इस बेसिक ऐजुकेशन के सिस्टम को क्या रूप दिया है और क्या इस सम्बन्ध में राज्यों से भी कोई पत्र व्यवहार हुआ है और यदि हुआ है तो उसका क्या नतीजा हुआ है ?

श्री के० डी० मालवीय : पिछले साल सरकार ने ११ फरवरी को पंच वर्षीय योजना

में जो प्राइमरी और बेसिक ऐजुकेशन के सम्बन्ध की योजनाएँ हैं उन की ओर सरकारों का ध्यान दिलाया है। विशेषतः में आनरेबिल मैनबर का ध्यान स्कीम नम्बर १ की ओर दिलाना चाहता हूँ जिसमें यह तमाम योजनाएँ शामिल हैं और जिस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार ने स्टेट सरकारों को पार साल सहायता दी है।

Shri T. S. A. Chettiar: Out of these Rs. 198 crores allotted for the coming year, how much is proposed to be spent for basic education?

Shri K. D. Malaviya: That is a question which is under consideration. But last year about Rs. 33 lakhs was given to the State Governments.

Shri T. S. A. Chettiar: Out of this fund, how much is proposed to be spent through the States, and how much by the Government of India directly?

Shri K. D. Malaviya: Out of the total five year expenditure of Rs. 1.98 crores, it is proposed that the Government of India will spend Rs. 33 crores.

श्री एम० एल० द्विवेदी : जो पत्र व्यवहार राज्यों से सरकार ने किया है उस सम्बन्ध में क्या मैं यह जान सकता हूँ कि इस योजना को लागू करने में कितना समय लगेगा और केन्द्र की तरफ से इस में कितना धन व्यय किया जा रहा है ?

श्री के० डी० मालवीय : केन्द्र की तरफ से जो धन व्यय किया जा रहा है उस को तो मैं ने अभी बताया। लेकिन यह जो पंच की वर्षीय योजना है और बेसिक ऐजुकेशन जो योजना है उस सम्बन्ध में मैं माननीय सदस्य को बतलाना चाहता हूँ कि यह एकदम से नतीजा नहीं दिखा सकती और बहुत जल्द इनका कोई परिणाम नहीं देखा जा सकता है। धीरे धीरे जैसे जैसे यहां उपयुक्त वातावरण बनता जायगा उसी हिसाब से यह योजनाएँ आगे बढ़ेंगी।

डा० सुरेश चन्द्र : क्या मैं माननीय मंत्री से पूछ सकता हूँ कि यह जो योजना है क्या इस को गवर्नमेंट ने पूरी तरह से स्वीकार कर लिया है या अभी तक इस को सिर्फ़ ऐक्सपेरिमेंटल स्ट्रेज पर ही रखा गया है ?

श्री के० डी० मालवीय : इस समय तो गवर्नमेंट ने स्वीकार कर के ही योजना चालू की है और इस की सूचना भी स्टेट गवर्नमेंटों को दे दी है। जैसा कि माननीय सदस्य को मालम होगा इसके लिए क्षेत्रों का चुनाव का आधार उसी प्रकार का है जैसा कि कम्यूनिटी प्राजैक्ट का आधार प्लानिंग कमीशन की योजनाओं में माना गया है।

Shri S. N. Das: In view of the fact that the productive aspect of basic education has now been accepted, may I know whether the Government of India propose to take up the work of investigation of the obstacles in the way of the full development of the productive capacity of basic education?

Shri K. D. Malaviya: Yes, Sir. That question will be considered.

श्री एम० एल० द्विवेदी : शिक्षा के सम्बन्ध में मैं एक बात और पूछना चाहता हूँ और वह यह है कि क्या इस शिक्षा का प्रारम्भ केवल प्राइमरी शिक्षा तक ही बेसड रहेगा या इस को और आगे स्कूल और कालेज में भी चलाया जायगा ? इस सम्बन्ध में अगर सरकार ने कोई रूप-रेखा बनाई हो तो वह बताने की कृपा करें।

श्री के० डी० मालवीय : जैसा मैं ने अभी कहा, यह शुरू से आखिर तक की शिक्षा में लागू होगी। पोस्ट ग्रेजुएट ट्रेनिंग तक इस शिक्षा का आयोजन किया गया है।

KAZAKS

*1094. **Sardar Hukam Singh:** (a) Will the Minister of Home Affairs be pleased to state whether the Kazaks (about 400 in number) who arrived on